# FD-2093

B.A. (Part-I) Examination, 2022

## HINDI LITERATURE

Paper - I

## प्राचीन हिन्दी काव्य

*Time* : Three Hours] [*Maximum Marks* : 75

**नोट** : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

**1.** निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 21

(क) भगति भजन हरिनांव है, दूजा दुक्ख अपार।
मनसा वाचा कर्मनां, कबीर सुमिरण सार॥
कबीर सुमिरण सार है, और सकल जंजाल।
आदि अंत सब सोधिया, दूजा देखौं काल॥

***अथवा***

चढ़ा असाढ़ गगन घन गाजा, साजा बिरह दुंद दल बाजा॥

धूम, श्याम धौरे घन धाए, सेत धजा बग-पाँति देखाए॥

खड़क-बीजु चमकै चहुँ ओरा, बुंद-बान बरसहिं घन घोरा॥

ओनई घटा आइ चहुँ फेरी, कंत, उबारू मदन हौं घेरी॥

दादुर मोर कोकिला, पीऊ, गिरै बीजु घट रहै न जीऊ॥

पुष्य नखत सिर ऊपर आवा, हौं बिनु नाह मंदिर को छावा॥

(ख) सखा! सुनो मेरी इक बात।

वह लतागन संग गोपिन सुधि करत पछितात॥

कहाँ वह वृषभानुतनया परम सुंदर गात।

सुरति आए रासरस की अधिक जिय अकुलात॥

सदा हित यह रहत नाहीं सकल मिथ्या जात।

सूर प्रभु यह सुनौं मोसों एक ही सौं नात॥

***अथवा***

कोऊ आवत है तन स्याम।

वैसेई पट, वैसेइ रथ-बैठनि, वैसिय है उर दाम।

जैसी हुति उठि तैसिय दौरी, छांड़ि सकल गृह काम॥

रोम पुलक गदगद भइ तिहि छन, सोचि अंग अभिराम।

इतनी कहत आय गए उधो, रही ठगी तिहि ठाम॥

सूरदास प्रभु हयां क्यों आवें, बंधे कुब्जा रस स्याम॥

(ग) तब हनुमंत निकट चलि गयऊ, फिरि बैठी मन विस्मय भयऊ।

रामदूत मैं मातु जानकी, सत्य सपथ करुनानिधान की।

यह मुद्रिका मातु मैं आनी, दीन्हिं राम तुम्ह कहँ सहिदानी।

नर वानरहिं संग कहु कैसे, कही कथा यह संगति जैसे।

कपि के वचन सप्रेम सुनि उपजा मन बिस्वास।

जाना मन क्रम वचन यह कृपा सिंधु कर दास॥

***अथवा***

पहले अपनाय सुजान सनेह सों क्यों फिर नेह
को तोरिये जू।

निरधार अधार दै धार मैझार दई गहि बाँह न
बोरिये जू।

घनआनंद आयने चातक को गुन बाँधि कै
मोह न छोरियै जू।

रस प्यास के जाय बढ़ाय कै आस, बिसास
में यों बिस घोरिये जू।

**2.** ''कबीर सच्चे अर्थों में समाज सुधारक थे।'' इस कथन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए। 8

*अथवा*

जायसी के बारहमासा का विरह-वर्णन के सन्दर्भ में समीक्षा कीजिए।

**3.** 'सुंदर कांड' को किन-किन कारणों से सुंदर कहा जाता है? प्रकाश डालिए। 8

*अथवा*

''सूरदासजी का भ्रमरगीत ज्ञान पर भक्ति के विजय का प्रतीक है।'' समझाइए।

4. ''घनानंद के काव्य का मूल प्रेम है।'' इस कथन को सविस्तार समझाइए। 8

*अथवा*

निर्गुण भक्ति काव्य-धारा की प्रमुख विशेषताओं को बताइए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 18

(क) कबीर की गुरू महिमा

(ख) रहीम के दोहों में नैतिकता

(ग) राम भक्ति काव्यधारा

(घ) विद्यापति का भक्तिभाव

(ङ) रसखान के कृष्ण

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **बारह** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 12

(क) कबीर का जन्म स्थान कहाँ माना जाता है?

(ख) 'साखी' किस शैली में रचित है ?

(ग) जायसी कहाँ के रहने वाले थे ?

(घ) एक नयन कवि पाठ्यपुस्तक में किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ?

(ङ) जायसी किस सम्प्रदाय के थे ?

(च) 'पद्मावत' में किस द्वीप का उल्लेख हुआ है ?

(छ) सूरदास की सर्वश्रेष्ठ रचना का नाम बताइए।

(ज) सूरदास की प्रमुख रचनाओं का नाम क्या है ?

(झ) तुलसीदासजी की माता का क्या नाम था ?

(ञ) तुलसी काव्य में मुख्य भाव क्या है ?

(ट) घनानंद रीतिकाल की किस धारा का प्रतिनिधित्व करते हैं ?

(ठ) घनानंद की कविता किस छंद में लिखी गई है ?

(ड) विद्यापति ने अवहट्ठ भाषा में कौन सी रचनाएँ लिखी है ?

(ढ) अभिनव जयदेव की उपाधि किस कवि को दी गयी थी ?

(ण) गुजरात का 'बागफल्ह' किस कवि के स्थापत्य प्रेम का प्रतीक है ?

———